आधुनिक भारत | Modern India

Chapter – 1

उत्तरकालीन मुगल साम्राज्य | Later Mughal Empire

मुगलों से स्वतंत्र होने वाले राज्य एवं संस्थापक

States and Founders Who Became Independent from the Mughals

क्र.	राज्य (State)	संस्थापक (Founder)
1	अवध	सआदत खाँ
2	हैदराबाद	चिनकिलिच खाँ या निजाम-उल-मुल्क आसफ जाह
3	रोहिल्लाखंड	वीर दाउद एवं अली मुहम्मद खाँ
4	बंगाल	मुर्शिदकुली खाँ
5	कर्नाटक	सादुल्ला खाँ
6	भरतपुर	चूरामन एवं बदन सिंह

- मुगल सम्राट **मुहम्मद शाह** ने **सआदत खाँ** को **बुरहान-उल-मुल्क** की उपाधि दी थी। उनका असली नाम **मीर मुहम्मद अमीन** था।
- **बहादुरशाह** का पूर्व नाम **मुअज्जम** था। उसे **शाह-ए-बेखबर** कहा जाता था।
- **जहांदार शाह** ने शासनकाल में **लाल कुमारी** नाम की वेश्या को हस्ताक्षर करने का अधिकार दिया था।
- **मुगलकालीन इतिहास** में **सैयद बंधु हुसैन अली खाँ** एवं **अब्दुल्ला खाँ** को शासक निर्माता कहा गया है।
- **जहांदार शाह** को **रंगीन मुर्दा** कहा जाता था।
- **फर्रुखसियर** को मुगल वंश का **घृणित कायर** कहा गया।
- सुंदर युवतियों के प्रति अत्यधिक रुचि के कारण **मुहम्मदशाह** को **रंगीला बादशाह** कहा जाता था।
- एक संगीतकार के रूप में मुहम्मदशाह ने अनेक **ख़यालों** (melodic compositions) की रचना की।
- तुर्की सैनिक **हैदर बेग** ने 9 अक्टूबर 1720 ई. को **सैयद बंधु हुसैन अली खाँ** की हत्या कर दी।
- मुहम्मदशाह के शासनकाल में ही **हैदराबाद** के **चिनकिलिच खाँ** ने **निजाम-उल-मुल्क** की उपाधि धारण की और 1725 ई. में स्वतंत्र राज्य की स्थापना की।

उत्तरकालीन मुगल सम्राटों की सूची / List of Later Mughal Emperors

क्र	सम्राट (Emperor) / Emperor Name	शासनकाल (Reign) / Reign Period
1	बहादुरशाह	1707–1712 ई.
2	जहांदार शाह	1712–1713 ई.
3	फर्रुखसियर	1713–1719 ई.
4	मुहम्मदशाह	1719–1748 ई.
5	अहमदशाह	1748–1754 ई.
6	आलमगीर द्वितीय	1754–1759 ई.
7	शाह आलम द्वितीय	1759–1806 ई.
8	अकबर द्वितीय	1806–1837 ई.
9	बहादुरशाह जफर	1837–1857 ई.

Chapter – 2

भारत में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों का आगमन

Arrival of European Trading Companies in India

• **17 मई, 1498 ई.** में **वास्को-डी-गामा** भारत के पश्चिमी तट पर स्थित **कालीकट** बंदरगाह पहुँचा और भारत-यूरोप के बीच नए समुद्री मार्ग की खोज की।
• इस यात्रा में वास्को-डी-गामा की सहायता **गुजराती पथ प्रदर्शक अब्दुल मनीद** ने की थी।
• **1505 ई.** में **फ्रांसिस्को द अल्मेडा** भारत में **प्रथम पुर्तगाली वायसराय** बनकर आया।
• **1509 ई.** में **अल्फांसो द अल्बुकर्क** भारत में पुर्तगालियों का **वायसराय** बना। उसने **1510 ई.** में **बीजापुर के यूसुफ आदिल शाह** से **गोवा** को जीता।
• पुर्तगालियों ने अपनी **पहली व्यापारिक कोठी कोचीन** में खोली।
• दक्षिणी-पूर्वी तट पर पुर्तगालियों की एक मात्र बस्ती **सन थॉमे** थी।
• पुर्तगालियों के बाद **भारत में डच (Dutch)** लोग आए।
• पहला डच यात्री **कॉर्नेलियन हॉटमैन (Cornelis de Houtman) 1596 ई.** में भारत के पूर्वी **सुमात्रा** पहुँचा।
• डचों ने भारत में अपनी पहली व्यापारिक कोठी **1605 ई. में मसूलीपट्टनम** में स्थापित की।
• डचों की दूसरी व्यापारिक कोठी **पुलिकट** में स्थापित हुई, जहाँ उन्होंने अपनी स्वर्णमुद्राएँ **(गेल्डा)** चलायीं और पुलिकट को अपने कार्यों का मुख्य केंद्र बनाया।
• डचों ने भारत में पहली बार **औद्योगिक वेतनभोगी** रखे।
• डचों का भारत में अंतिम रूप से पतन **1759 ई.** में **अंग्रेजों और डचों के बीच हुए वेदरा युद्ध** से हुआ।

यूरोपीय कंपनियाँ एवं स्थापना वर्ष | European Companies and Their Year of Establishment

क्र.	**यूरोपीय कंपनी** (European Company)	**स्थापना वर्ष** (Year of Establishment)
1	पुर्तगाली ईस्ट इंडिया कंपनी	1498 ई.
2	अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी	1600 ई.
3	डच ईस्ट इंडिया कंपनी	1602 ई.
4	डेनिश ईस्ट इंडिया कंपनी	1616 ई.
5	फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी	1664 ई.
6	स्वीडिश ईस्ट इंडिया कंपनी	1731 ई.

• **31 दिसंबर 1600 ई.** को इंग्लैंड की रानी **एलिज़ाबेथ प्रथम** ने अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी को **अधिकार-पत्र (Charter)** प्रदान किया।
• फ्रांस में ईस्ट इंडिया कंपनी के **217 साझेदार** थे और पहला गवर्नर **थॉमस स्मिथ** था।
• मुगल दरबार में जाने वाला प्रथम अंग्रेज **कैप्टन हॉकिंस** था, जो **जहांगीर** के शासनकाल में **अप्रैल 1609 ई.** में आया था।

यूरोपीय कंपनियों की भारत में पहली फैक्टरी | First Factory of European Companies in India

क्र.	कंपनी (Company)	प्रथम फैक्टरी स्थान (First Factory Location)	वर्ष (Year)
1	पुर्तगाली	कोचीन	1503 ई.
2	डच	मसूलीपट्टनम	1605 ई.
3	अंग्रेज	मसूलीपट्टनम	1611 ई.
4	डेनिश	त्रांकेबार	1620 ई.
5	फ्रांसीसी	सूरत	1668 ई.

भारत में अंग्रेजों का आगमन | Arrival of the English in India

- **भारत आने वाला पहला अंग्रेजी जहाज 'रेड ड्रैगन' था।**
- **1611 ई.** में दक्षिण-पूर्वी समुद्रतट पर **अंग्रेजों ने मसूलीपट्टनम में अपनी पहली व्यापारिक कोठी** (factory) स्थापित की।
- **जहांगीर** ने **1613 ई.** में एक **फरमान जारी कर अंग्रेजों को सूरत में व्यापारिक कोठी खोलने की अनुमति दी।**

नोट:

अंग्रेजों ने अपना पहला व्यापारिक केंद्र पूर्वी तट पर **मसूलीपट्टनम (1611 ई.)** और पश्चिमी तट पर **सूरत (1613 ई.)** में खोला।

- **1615 ई.** में **सम्राट जेम्स प्रथम** ने **सर टॉमस रो** को अपना **राजदूत बनाकर जहांगीर के दरबार** में भेजा।
- वह **1619 ई.** तक भारत में रहा और **जहांगीर एवं नूरजहाँ** से अंग्रेजों के लिए **व्यापारिक छूट** प्राप्त करने में सफल हुआ।
- **1632 ई.** में **गोलकुंडा के सुल्तान** ने अंग्रेजों को **'गोल्डन फरमान' (Golden Farman)** दिया, जिससे अंग्रेजों को **500 पाउंड वार्षिक कर देकर स्वतंत्र व्यापार की अनुमति मिली।**
- **1639 ई.** में **फ्रांसिस डे** ने **चंद्रगिरि के राजा से मद्रास** प्राप्त किया और वहाँ **किलेबंद कोठी** का निर्माण कराया जिसे **फोर्ट सेंट जॉर्ज (Fort St. George)** कहा गया।
- **1661 ई.** में **पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन ऑफ ब्रेगेंजा (Catharine of Braganza)** और **ब्रिटिश राजकुमार चार्ल्स द्वितीय (Charles II)** का विवाह हुआ।
- इस अवसर पर पुर्तगालियों ने **'बंबई (Bombay)'** को दहेज में दिया।
- **1668 ई.** में **चार्ल्स द्वितीय** ने *बंबई* को **10 पाउंड वार्षिक किराये पर ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया।**
- **1687 ई.** में अंग्रेजों ने पश्चिमी तट का मुख्यालय **सूरत से हटाकर बंबई (Bombay)** में बनाया।

नोट:

गेराल्ड ऑगियर (Gerald Aungier) (1669–1677 ई.), जो **सूरत का प्रेसीडेंट और बंबई का गवर्नर** था, **ने बंबई शहर की स्थापना की।.**

Chapter - 3

बंगाल पर अंग्रेज़ों का आधिपत्य | British Domination over Bengal

- मुगल साम्राज्य के अन्तर्गत आने वाले प्रान्तों में बंगाल सर्वाधिक सम्पन्न राज्य था।
- मुर्शिद कुली खाँ स्वतंत्र शासक था, परन्तु वह नियमित रूप से मुगल बादशाह को राजस्व भेजता था।
- मुर्शिद कुली खाँ ने अपनी राजधानी ढाका से मुर्शिदाबाद (भागीरथी नदी के तट पर) स्थानान्तरित की। इससे इजारेदारी प्रथा का प्रारंभ हुआ तथा कृषकों को तकावी ऋण (खेती के लिए अग्रिम कर्ज) प्रदान किया। इसका उत्तराधिकारी उसका दामाद शुजाउद्दीन हुआ।
- 1740 ई. के गिरिया के युद्ध में सरफराज़ खाँ मारा गया और बिहार के सर-सूबेदार अलीवर्दी खाँ बंगाल का नवाब बना। उसने मुगलों को राजस्व देना बंद कर दिया। उसके शासनकाल में बंगाल इतना सम्पन्न हुआ कि उसे *"भारत का स्वर्ग"* कहा जाने लगा। उसका उत्तराधिकारी उसका दामाद सिराजुद्दौला हुआ।.

बंगाल के नवाब (Nawabs of Bengal)

क्रम सं.	नाम (Name)	शासनकाल (Reign Period)
1	मुन्शिद कुली खाँ	1713–1727 ई.
2	शुजाउद्दीन	1727–1739 ई.
3	सरफराज खाँ	1739–1740 ई.
4	अलीवर्दी खाँ	1740–1756 ई.
5	सिराजुद्दौला	1756–1757 ई.
6	मीर जाफर	1757–1760 ई.
7	मीर कासिम	1760–1763 ई.
8	मीर जाफर	1763–1765 ई.
9	नजम-उद-दौला	1765–1766 ई.
10	शैफ-उद-दौला	1766–1770 ई.
11	मुबारक-उद-दौला	1770–1775 ई.

- 20 जून, 1756 ई. को कालकोठरी की त्रासदी (*Black Hole Tragedy*) नामक घटना घटी। इस घटना के रचयिता जे. हॉलवेल के अनुसार, नवाब सिराजुद्दौला ने 20 जून की रात में 146 अंग्रेज़ व्यक्तियों को एक छोटी-सी कोठरी में बंद कर दिया था। अगले दिन सुबह 146 में से केवल 23 व्यक्ति जिन्दा बचे।
- प्लासी का युद्ध 23 जून, 1757 ई. को अंग्रेज़ों के सेनापति रॉबर्ट क्लाइव और बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के बीच हुआ। इस युद्ध में नवाब अपने सेनापति मीर जाफर की विश्वासघात के कारण पराजित हुआ। अंग्रेज़ों ने मीर जाफर को बंगाल का नवाब बना दिया।

नोट / Note:

प्लासी की लड़ाई में *मोहल्लाल* एवं *मीर मदन* ने नवाब की ओर से एक छोटी सेना का नेतृत्व किया। मीर मदन लड़ते हुए मारे गए। यह युद्ध भागीरथी नदी के किनारे हुआ था।

Chapter - 4

अंग्रेज़ों के मैसूर से संबंध | Relations of the British with Mysore

- 1761 ई. में हैदर अली मैसूर का शासक बना।
- हैदर अली की मृत्यु 1782 ई. में द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध के दौरान हो गई।
- हैदर अली का उत्तराधिकारी उसका पुत्र टीपू सुल्तान हुआ।
- 1787 ई. में टीपू ने अपनी राजधानी श्रीरंगपट्टनम में 'पादशाह' की उपाधि धारण की।
- टीपू ने अपनी राजधानी श्रीरंगपट्टनम में स्वतंत्रता का वृक्ष लगवाया और साथ ही जैकोबिन क्लब का सदस्य बना।

प्रमुख युद्ध (Major Anglo-Mysore Wars)

युद्ध का नाम (Name of War)	**वर्ष** (Year)	**गवर्नर जनरल** (Governor General)
प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध	1767–1769 ई.	—
द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध	1780–1784 ई.	वारेन हेस्टिंग्स
तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध	1790–1792 ई.	कार्नवालिस
चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध	1799 ई.	लॉर्ड वेलज़ली

महत्वपूर्ण संधियाँ (Important Treaties)

युद्ध (War)	**संधि का नाम** (Name of Treaty)	**वर्ष** (Year)
प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध	मद्रास की संधि	1769 ई.
द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध	मंगलोर की संधि	1784 ई.
तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध	श्रीरंगपट्टनम की संधि	1792 ई.

Target for IQ